this was to be started in the year 1963-64. In the meantime, without waiting for the Government of India's consent the college was started and obviously that cannot be a zonal college.

Shri Supakar: There is so much shortage of engineering personnel in the country and because the Government of Orissa have started a college in the same place where the regional engineering college for the State of Orissa was to be started, the Government of India is non co-operating with the State Government in the matter of financial help and other assistance to be given to the State college.

Mr. Speaker: It is an argument. The hon. Minister replied that they fixed 1963-64 but the date is advanced to 1961 over their heads.

Shri Humayun Kabir: May I supplement the information? We have not ruled it out at all. It can go as an open door policy or it can go as a State college and it will qualify for assistance under any of these schemes. Obviously a Central institution cannot be started when the Central Government does not know about it.... (*Interruptions*).

Mr. Speaker: The answer is clear. The Central Government is not willing to advance the date; the State Government did so.

Shri Supakar: That is true. But why cannot it qualify for the assistance of the Government of India as a regional engineering college?

Shri Humayun Kabir: I have just now told him that it can qualify for assistance as a State college or as a open door college. Obviously they cannot qualify for assistance for a Central college when it is not a Central college.

1508 (Ai) LSD—2.

राष्ट्रीय एकीकरण सम्मेलन

\+

*४४०. श्री भक्त दर्शन :
श्री रामकृष्ण गुप्त :
श्री प्रकाश वीर शास्त्री :
श्री प्र० गं० देव :
श्री हेम राज :
श्री सूपकार :
श्री मो० ब० ठाकुर :
श्री हरिश्चन्द्र माथुर :
श्री विद्याचरण शुक्ल :
श्री बाल्मीकी :
श्री रघुनाथ सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री ७ सितम्बर, १९६१ के तारांकित प्रश्न संख्या १३१६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या राष्ट्रीय एकीकरण के संबंध में प्रस्तावित बृहत्तर सम्मेलन का आयोजन इस बीच किया गया;

(ख) यदि हां, तो क्या उस में सम्मिलित महानुभावों की सूचि, विचाराधीन विषय तथा उस की सिफ़ारिशों पर प्रकाश डालने वाला एक विस्तृत विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा; और

(ग) उस सम्मेलन की सिफ़ारिशों को कार्यान्वित करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है या की जा रही है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) और (ख). जी हां। नई दिल्ली में २८ सितम्बर से पहली अक्तूबर, १९६१ तक एक राष्ट्रीय एकीकरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति और निमंत्रित महानुभावों की सूची की एक प्रति पहले ही सभा-पटल पर रख दी गई है।

(ग) सम्मेलन के फैसलों को अमल में लाने के लिये केन्द्र तथा राज्यों के विभिन्न अधिकारियों और राजनैतिक दलों एवं अन्य

गैर सरकारी संगठनों को कायवाही करनी होगी । राष्ट्रीय एकीकरण सम्मेलन की सिफारिशों के मुताबिक ३७ सदस्यों की एक राष्ट्रीय एकीकरण परिषद् का निर्माण किया गया है जो राष्ट्रीय एकीकरण के बारे में सभी मामलों की समीक्षा कर के उन पर सिफारिशें देगी ।

I shall read that in English also.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमान् चूंकि इस सम्मेलन के फलस्वरूप देश के प्रत्येक वर्ग मेंऔर भागमें राष्ट्रीय एकता की भावना परिपुष्ट हुई, है तो क्या इस तरह का कोई और सम्मेलन केन्द्र में या देश के विभिन्न भागों में भी करने का विचार किया जा रहा है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : अभी तो एक सम्मेलन हुआ ही है, इस लिये केन्द्र में कोई दूसरा सम्मेलन करने का इस समय कोई विचार नहीं है । और प्रदेशों में अगर स्टेट गवर्नमेंट्स करना चाहें तो कर ही सकती हैं । अभी जम्मू काश्मीर गवर्नमेंट ने अपने यहां स्टेट आधार पर इस तरह की इंटेग्रेशन कांफरेंस की थी ।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि राष्ट्रीय एकीकरण सम्मेलन में कोई इस प्रकार की भी चर्चा हुई कि भारत की विभिन्न भाषाओं को एक दूसरे के समीप लाने के लिये देवनागरी को सामान्य लिपि के रूप में स्वीकार कर लिया जाये ? यदि हां, तो सरकार इस दिशा में क्या प्रयत्न कर ही है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : जहां तक नेशनल इंटीग्रेशन कान्फरेंस की बात है, उस में इस की चर्चा ही बस हुई थी लेकिन कोई राय नहीं जाहिर की गयी, एक तरफ या दूसरी तरफ । लेकिन चीफ मिनिस्टर्स की कान्फरेंस हुई थी उस से पहले, उस में इसकी चर्चा आयी थी और उस सम्मेलन में कहा गया था कि देवनागरी लिपि को प्रोत्साहि तया और उसको बढ़ाने के लिय प्रयास करना अच्छा होगा और लाभदायक होगा ।

राजा महेन्द्र प्रताप : मुझे इस विषय में एक महत्वपूर्ण प्रश्न करना है, वह यह है कि एक तरफ तो आप ऐसी सभा बुलाते हैं कि देश की सब जातियां एक हो जायें और दूसरी तरफ आप दल बनाते हैं और एक दल को दूसरे दल से लड़ाते हैं । भला इस तरह एकता कैसे हो सकती है ? मेरा यह प्रश्न है कि अगर आप दरअसल में सब को एक करना चाहते हैं तो दलों को बन्द करिये, सब को सब के लाभ में लगा कर सब को सुखी बनाइये, क्या यह अच्छा तरीका नहीं होगा ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : यह तरीका तो अच्छा है . .

श्री रघुनाथ सिंह : यह कोई प्रश्न नहीं है ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

I.A.S. Officers

*435. **Shri Harish Chandra Mathur**: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) how many I.A.S. Officers of less than 6 years experience are holding posts of Collector and District Magistrate or equivalent to that and with what result; and

(b) what rules govern such postings and what is the minimum experience considered necessary for such postings?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) The number of such officers is 62.

According to the reports received from the State Governments all of them are discharging their duties satisfactorily.